दिन–रविवार **दिनांक–29.09.2024**

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः–शाम 06:25 बजे सँ अवधिः–05 मिनट

———————————————————————————————

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहलनि अछि जे मेक इन इंडिया पहल सँ भारत विनिर्माण शक्ति केन्द्र बनि गेल। ओ कहलनि जे एहि अभियान सँ निर्धन आ मध्यम वर्ग तथा सुक्ष्म,लघु आ मध्यम उद्यम के बड्ड लाभ भेल अछि। आइ आकाशवाणी सँ मन की बात कार्यक्रमक एक सय चौदहम संस्करण मे प्रधानमंत्री मेक इन इंडिया पहलक सफलता के रेखांकित कयलनि। ओ कहलनि जे एहि अभियानक सफलता मे देशक पैघ उद्योगक संग–संग छोट दोकानदारक योगदान सेहो सम्मिलित अछि, जाहि सँ सभ सेक्टर के लाभ भेटल अछि, निर्यात बढ़ल अछि आ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित भेल। प्रधानमंत्री लोकसभ सँ आबयवला पावनि–तिहार मे देश मे बनल उत्पाद के कीनबाक आग्रह कयलनि। श्री मोदी कहलनि जे सूचना आ प्रसारण मंत्रालय प्रतिभा आ रचनात्मकता के प्रोत्साहन देबाक लेल क्रिएट इन इंडिया थीमक अंतर्गत पचीस चुनौती शुरू कयलक अछि। ओ देशक सृजनकार सँ वेव्स इंडिया डॉट ओआरजी पर एहि चुनौती मे भाग लेबाक आग्रह कयलनि।

———————————————————————

प्रधानमंत्री एहि वर्ष दू अक्टूबर के दस वर्ष पूरा कऽ रहल स्वच्छ भारत मिशनक सफलताक उल्लेख करैत कहलनि जे ई एहि मिशनक सफलता अछि जे कचरा सँ संपदा मंत्र सभ मे लोकप्रिय भऽ रहल अछि। ओ कहलनि जे आब लोक रिड्यूस, रियूज आ रिसाइकिलक बात करब शुरू कऽ देलनि अछि। ओ एहि मिशन के जन अभियान बनाबयवला लोकसभक सराहना कयलनि। श्री मोदी पौधा–रोपण महाअभियान एक पेड़ माँ के नाम मे भाग लेबाक लेल लोकसभ के प्रोत्साहित करैत कहलनि जे संपूर्ण समाज के एकर आश्चर्यजनक परिणाम भेटल अछि जे निश्चित रूपे प्रेरणादायी थिक। प्रधानमंत्री मन की बात मे जल संरक्षण लेल चलाओल जा रहल **कैच द रेन** अभियानक सेहो चर्चा कयलनि।

———————————————————————

मन की बात कार्यक्रमक एक सय चौदहम संस्करण मे प्रधानमंत्री कहलनि जे ई संस्करण हुनका लेल विशेष रूप सँ भावुक करयवला दिन अछि। किएकतऽ एहि संग एहि कार्यक्रमक दस वर्ष पूरा भऽ रहल अछि। ओ कहलनि जे दस साल पहिने विजयादशमी के दिन तीन अक्टूबर के मन की बात कार्यक्रम शुरू भेल छल आ एहि वर्ष तीन अक्टूबर के

नवरात्रक पहिल दिन पड़त। मन की बातक स्रोता के एहि कार्यक्रमक असली सुत्रधार जनबैत श्री मोदी कहलनि जे ई कार्यक्रम साबित कऽ देलक जे देशक लोक सकारात्मक सूचना लेल कतेक उत्सुक आ ललायित छथि। प्रधानमंत्री आकाशवाणी, दूरदर्शन आ प्रसार भारती सँ जुड़ल लोकसभक सराहना करैत कहलनि जे हुनक अथक प्रयास सँ ई कार्यक्रम एहि महत्वपूर्ण पड़ाव धरि पहुँचि सकल।

———————————————————

कोसी आ गंडक बराज सँ भारी मात्रा मे पानि छोड़ल जयबाक कारणे प्रदेशक उत्तर–पश्चिम, उत्तर–मध्य आ उत्तर–पूर्वक तेरह जिला मे स्थिति गंभीर बनल अछि। गंडक, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती, महानंदा समेत एहि क्षेत्रक सभ नदी उफान पर अछि। कोसी बराज आ गंडक बराज सँ आइयो पानि छोड़ल जा रहल अछि। सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, अररिया, पूर्णियां, कटिहार समेत विभिन्न जिला मे एक पैघ आबादी बाढ़िक सामना कऽ रहल अछि। हालांकि, हमर सुपौल संवाददाता जनौलनि अछि जे कोसी बराज पर जलस्तर मे आब कमी हेबा सँ लोक सभ राहतक साँस लऽ रहल छथि। ओम्हर, पश्चिम चंपारण स्थित बाल्मीकिनगर गंडक बराजक सभ छत्तीस फाटक के खोलि देल गेल अछि आ प्रशासनिक टीम राहत काज मे लागल अछि। सीतामढ़ीक बेलसंड प्रखंड अंतर्गत मधकौल गाम लऽग बागमती नदीक तटबंध टुटबा सँ कतेको पंचायत मे बाढ़िक पानि पसरि गेल अछि। शिवहर जिलाक पिपराही प्रखंड अंतर्गत बेलवा लऽग बागमतीक तटबंध मे दरार अयला सँ बाढ़िक खतरा बढ़ि गेल अछि। कटिहार रेलमंडलक जोगबनी मे रेलवे ट्रैक पर पानि अयबाक कारणे एहि रेलखंड पर जोगबनी धरि लेल रेल परिचालन अस्थायी रूप सँ स्थगित कऽ देल गेल अछि।

———————————————————

केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय कहलनि अछि जे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आ गृहमंत्री अमित शाह बिहार मे बाढ़िक स्थिति पर लगातार नजरि रखने छथि। ओ कहलनि जे एनडीआरएफ हर स्थिति सँ निपटबाक लेल तैयार अछि आ आवश्यकता पड़ला पर वायु सेना के सेहो तैयार राखल गेल अछि।

———————————————————

एहि मध्य आपदा प्रबंधन विभागक अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत कोसी आ गंडक नदीक बढ़ैत जलस्तर के देखैत संबंधित सभ जिलाधिकारीक संग–संग एनडीआरएफ आ एसडीआरएफक कप्तान लोकनि के बाढ़ि सँ बचाव लेल महत्वपूर्ण निर्देश देलनि।

———————————————————————————

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह कहलनि अछि जे राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान निफ्ट के विश्व स्तरीय ब्रांड बनाओल जायत।

———————————————————————————

समाप्त